अध्याय–पंचम

शोध निष्कर्ष सारांश

अध्याय–पंचम

शोध निष्कर्ष सारांश

5.1 भूमिका–

व्यक्ति और समाज एक दूसरे से पूरक होने के साथ–साथ पारस्पारिक निर्भरता का गुण रखते है। यह निर्भरता व्यक्तियों की मनोवृत्तियों, उनके आचरणों आदि पर आधारित होती है। छात्र देश का आने वाला कल है। अतः इन मनोवृत्तियों, आचरणों को छात्रों में विकसित करने के लिए अध्यापकों की भूमिकाएँ महत्वपूर्ण होती है और शिक्षा मनोविज्ञान भी इस बात को स्वीकार करता है की व्यक्ति की अभिवृत्तियों, इनके कार्य को प्राभावित करती है।

अतःप्रशिक्षणार्थियों में अध्यापन सम्बन्धी अभिवृत्ति होगी तो वे विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति को प्रभावित करेगा।

5.2 समस्या कथन

''शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर उनकी शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन''।

5.3 शोध के चर

प्रस्तुतः अनुसंधान के चर निम्नलिखित रूप से है।

स्वतंत्र चरः

लिंगगत चर	:	(छात्र एवं छात्राएँ)
जातिगत चर	:	(एस.सी.,एस.टी.,ओ.बी.सी. एवं सामान्य)
क्षेत्रीय स्थिति	:	(ग्रामीण एवं शहरी)
शैक्षिक स्तर	:	(स्नातक एवं अनुस्नातक)
कालेज प्रकार	:	(शासकीय एवं अशासकीय)
विषयगत	:	(भाषाकीय, सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान)
आश्रित चर	:	अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति

5.4 शोध के उद्‌देश्य

किसी भी शोध कार्य करने के पीछे उनके कोई न कोई उद्‌देश्य जरूर होता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के अन्तर्गत निम्नलिखित उद्‌देश्यों का समावेश किया गया है।

- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

- लिंग के आधार पर शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- जाति (cast) के आधार पर शिक्षक– प्रशिक्षणार्थियों की अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- क्षेत्रिय स्थिति (ग्रामीण एवं शहरी) के आधार पर शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों को अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- शैक्षिक स्तर (स्नातक एवं अनुस्नातक) के आधार पर शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- कालेज के प्रकार (शासकीय एवं अशासकीय) के आधार पर शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- विषयगत आधार पर शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

5.5. शोध की परिकल्पना

परिकल्पना एक विचार–युक्त कथन है जिसका प्रतिपादन किया जाता है और स्थायी रूप से सही मान लिया जाता है और निरीक्षण व प्रदत्तों के आधार पर, तथ्यों तथा परिस्थिति के आधार पर व्याख्या की जाती है जो आगे शोध कार्य को निर्देशन देता है। –जोन डब्ल्यू.बेस्ट

प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्नलिखित शून्य परिकल्पना की गई है–

- शिक्षक– प्रशिक्षणार्थीओं की लिंग के आधार पर उनकी अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।
- शिक्षक– प्रशिक्षणार्थीओं की जाति के आधार पर उनकी अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।
- शिक्षक– प्रशिक्षणार्थीओं की क्षेत्रिय स्थिति के आधार पर उनकी अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।
- शिक्षक– प्रशिक्षणार्थीओं की शैक्षिक स्तर के आधार पर उनकी अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।
- शिक्षक– प्रशिक्षणार्थीओं की कॉलेज के प्रकार के आधार पर उनकी अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।
- शिक्षक– प्रशिक्षणार्थीओं की विषयों के आधार पर उनकी अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।

5.6 न्यादर्श चयन

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के संकलन हेतु न्यादर्श के रूप में गुजरात राज्य के दो जिलो का चयन यादच्छीक न्यादर्श तकनीकी से किया गया। जिनमें एक शासकीय एवं दो अशासकीय अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों का चयन यचादच्छीक न्यादर्श तकनीकी से किया गया है। इस प्रकार कुल तीन महाविद्यालयों में से लिंग के अनुसार 150 प्रशिक्षणार्थियों

का चयन किया गया है। अध्ययन के न्यादर्श का प्रस्तुतीकरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है –

न्यादर्श का विवरण

प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त न्यादर्श प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्रशिक्षार्थियों की अंक सूची

तालिका क्र.5.1

जिला	कालेज के प्रकार	प्रशिक्षणार्थी		कुल
		पुरूष	महिला	
राजकोट	शासकीय	35	40	75
जूनागढ़	अशासकीय	38	37	75
कुल	**2**	**73**	**77**	**150**

5.7. शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रशिक्षकों को शिक्षक अभिवृत्ति का संकलन के लिए डॉ. एस.पी. अहलूवालिया रचित ''अध्यापक अभिवृत्ति सूची'' का हिन्दी में निर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है।

सामाजिक पृष्ठभूमि के अध्ययन के लिए 'सामाजिक पृष्ठभूमि प्रपत्र' का निर्माण स्वयं अनुसंधानकर्ता द्वारा किया गया।

5.8 प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति ज्ञात करने के लिए मध्यमान, मानक विचलन, टी. परीक्षण एवं एफ परीक्षण के माध्यम से ज्ञात किया गया है।

5.9 शोध परिकल्पना का परिणाम

- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की लिंग के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की जाति के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की क्षेत्रीय स्थिति के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक स्तर के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की कॉलेज के प्रकार के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की विषयगतता के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर है।

5.10 निष्कर्ष एवं व्याख्या

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सांख्यिकी का उपयोग करते हुए न्यादर्श के प्रदत्तों के संकलन एवं विश्लेषण करने के पश्चात निम्न निष्कर्ष प्राप्त किये गये।

➢ **निष्कर्षः–**

प्रस्तुत शोध अध्ययन में परिणाम के आधार पर शिक्षक प्रशिक्षण की लिंग, जाति एवं क्षेत्रिय स्थिति में उनकी अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। किन्तु शिक्षक प्रशिक्षणार्थी का शैक्षिक स्तर, कॉलेज के प्रकार एवं विषयों में सार्थक अन्तर पाया गया है।

➢ **व्याख्या**

प्रस्तुत शोध अध्ययन में देखे तो –

➢ छात्रों की अपेक्षा छात्राओं में उच्च अभिवृत्ति पाई गई।

➢ Sc, St, Obc, एवं Gen. में क्रमशः Gen. Obc, St, एवं Sc, में उच्च अभिवृत्ति पाई गई।

➢ ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों की अपेक्षा शहरी प्रशिक्षणार्थियों में उच्च शैक्षिक अभिवृत्ति पाई गई।

➢ स्नातक प्रशिक्षणार्थियों की अपेक्षा अनुस्नातक प्रशिक्षणार्थियों में शैक्षिक अभिवृत्ति की मात्रा ज्यादा पाई गई।

- अशासकीय प्रशिक्षण कॉलेज के प्रशिक्षणार्थियों की अपेक्षा शासकीय कॉलेज के प्रशिक्षणार्थियों में शैक्षिक अभिवृत्ति की मात्रा ज्यादा पाई गई।
- भाषा, सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान के प्रशिक्षणार्थियों में उच्च शैक्षिक अभिवृत्ति क्रमशः विज्ञान, भाषा एवं सामाजिक विज्ञान के प्रशिक्षणार्थियों में पाई गई।

5.11 सुझाव

- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम में सह क्रियात्मक सुधार लाना चाहिए।
- शैक्षिक अभिवृत्ति में वृद्धि करने के लिए सह अभ्यासिक प्रवृत्ति का आयोजन करना चाहिए।
- प्रशिक्षणार्थियों में शैक्षिक अभिवृत्ति को बढावा देने के लिए क्षेत्रीय कार्य, इन्टर्नशीप प्रोग्राम के अंतर शैक्षिक कार्यक्रम में नवीनता लानी चाहिए।
- शैक्षिक अभिवृत्ति में सुधार लाने के लिए समान रूप से प्रशिक्षण देना चाहिए।
- शैक्षिक अभिवृत्ति में सुधार लाने के लिए स्कूल अनुभव कार्यक्रम पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

➢ प्रत्येक प्रशिक्षणार्थियों के मनोवैज्ञानिक पक्षों का परीक्षण कर उचित मार्गदर्शन देना चाहिए।

5.12 भावी शोध हेतु सुझाव

➢ प्राथमिक शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की अध्यापन अभिवृत्ति का अध्ययन किया जा सकता है।

➢ स्नातकोत्तर प्राध्यापकों की शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन किया जा सकता है।

➢ सेवा पूर्व शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों तथा सेवारत शिक्षकों की अध्यापन अभिवृत्ति का अध्ययन किया जा सकता है।

➢ सेवा पूर्व शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों तथा सेवारत शिक्षकों की अध्यापन संबंधी रूचिओं का अध्ययन किया जा सकता है।

➢ शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों का अध्ययन किया जा सकता है।

❖ ❖ ❖